खण्ड-421, अंक-1
मंगलवार, 29 आश्विन, शक संवत् 1919
(21 अक्टूबर, 1997 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(तेरहवीं विधान सभा, तृतीय सत्र 1997)

खण्ड 421 में 1 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:

निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)

1997

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |

वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 21 रुपये |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्यों की सूची	ग–ज
श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल	झ–ट
उपस्थित सदस्य	ढ
राष्ट्रीय-गीत	1–2
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 1997 (सदन के पटल पर रखा गया)	2
उत्तर प्रदेश भूमि विधि (संशोधन) अध्यादेश, 1997 (सदन के पटल पर रखा गया)	2
उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग (संशोधन) अध्यादेश, 1997 (सदन के पटल पर रखा गया)	2
सदन में शांति व्यवस्था हेतु सुरक्षा कर्मियों को बुलाने के लिये श्री अध्यक्ष द्वारा मार्शल को निर्देश	2
विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 277 के अन्तर्गत श्री राज्यपाल से प्राप्त संदेश	2–3
उत्तर प्रदेश स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1997 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	3
उत्तर प्रदेश श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर (संशोधन) विधेयक, 1997 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	3
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 1997 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	4
उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	4
उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	4
उत्तर प्रदेश व्यापार कर (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	4
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 1997(राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	4
उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	5
उत्तर प्रदेश स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	5

विषय	पृष्ठ संख्या
उत्तर प्रदेश श्री काशी विश्वनाथ मंदिर (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	5
उत्तर प्रदेश आबकारी (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	5
उत्तर प्रदेश ग्रामीण आवास परिषद् (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	5
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	6
उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	6
उत्तर प्रदेश भूमि विधि (संशोधन) विधेयक, 1997 (राज्यपाल महोदय की अनुमति की सूचना)	6
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जगन्नाथ प्रसाद, श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्रीमती सावित्री देवी तथा करुणा एवं प्रेम की मूर्ति मदर टेरेसा के निधन पर शोकोद्गार	6–7
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा समय निर्धारण का प्रस्ताव (स्वीकृत) ...	7–8
सदन द्वारा मंत्रि-परिषद् में विश्वास प्रस्ताव तथा मतदान (प्रस्ताव पारित) ...	8–18
सदन के अनिश्चित काल तक के लिये स्थगन का प्रस्ताव (स्वीकृत) ...	18
राष्ट्र-गान	18–19

उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्यों की सूची

(तेरहवीं विधान सभा)

1–अकबर हुसैन, श्री	मुरादाबाद	36–अशोक बाजपेई, डा०	हरदोई
2–अंसारवदर लाल, श्री	बहराइच	37–अशोक यादव, श्री	फिरोजाबाद
3–अखिलेश कुमार सिंह, श्री	रायबरेली	38–आनन्द प्रकाश, श्री	पडरौना
4–अजय कुमार पोइया, श्री	मथुरा	39–आर० के० चौधरी, श्री	लखनऊ
5–अजय प्रताप सिंह उर्फ		40–आर० के० सिंह, श्री	बांदा
लल्ला भइया, श्री	गोण्डा	41–आलमबदी, श्री	आजमगढ़
6–अजय भट्ट, श्री	अल्मोड़ा	42–इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
7–अजय राय, श्री	वाराणसी	43–इन्द्रजीत सरोज, श्री	इलाहाबाद
8–अजित कुमार मेहरोत्रा, श्री	सीतापुर	44–इन्द्रदेव, श्री	बिजनौर
9–अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद	45–इन्द्र सिंह, श्री	सहारनपुर
10–अतुल कुमार, श्री	मेरठ	46–उदय राज यादव, श्री	उन्नाव
11–अनिल कुमार, श्री	बलिया	47–उमाकान्त यादव, श्री	जौनपुर
12–अनीस खां, श्री	पीलीभीत	48–उर्मिला देवी, श्रीमती	मैनपुरी
13–अफजाल अंसारी, श्री	गाजीपुर	49–उबैदुर्रहमान, श्री	गोण्डा
14–अफजाल अहमद, श्री	जौनपुर	50–ओइमदेश, स्वामी	बिजनौर
15–अफरोज अली खां, श्री	रामपुर	51–ओंकार सिंह, श्री	एटा
16–अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती	52–ओमकार सिंह, श्री	बदायूं
17–अब्दुल कलाम, श्री	वाराणसी	53–ओम प्रकाश, श्री	एटा
18–अब्दुल खालिक, श्री	अलीगढ़	54–ओम प्रकाश, श्री	गाजीपुर
19–अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई	55–ओम प्रकाश गुप्त, श्री	सीतापुर
20–अमर मणि, श्री	महराजगंज	56–ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
21–अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ	57–ओमवती देवी, श्रीमती	बिजनौर
22–अमीर आलम खान, श्री	मुजफ्फरनगर	58–कमला प्रसाद रावत, श्री	बाराबंकी
23–अम्बरीष कुमार, श्री	हरिद्वार	59–कल्याण सिंह, श्री	अलीगढ़
24–अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया	60–कंवर पाल सिंह मास्टर, श्री	सहारनपुर
25–अम्मार रिजवी, डा०	सीतापुर	61–कासिम अली खां उर्फ	
26–अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर	मवेद मियां, श्री	रामपुर
27–अरविन्द कुमार जैन, श्री	ललितपुर	62–काजी मोहम्मद मुईजुद्दीन, श्री	हरिद्वार
28–अरविन्द गिरि, श्री	खीरी	63–कासिम हसन, श्री	फतेहपुर
29–अरिमर्दन सिंह, श्री	पडोना	64–काशीनाथ, श्री	सुल्तानपुर
30–अरुण प्रताप सिंह, श्री	सुल्तानपुर	65–किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
31–अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच	66–कृपा शंकर सिंह, श्री	उन्नाव
32–अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद	67–कृष्ण चन्द्र पुनेठा, श्री	पिथौरागढ़
33–अशफाक अहमद, श्री	बरेली	68–कृष्णा राज, श्रीमती	खीरी
34–अशोक कुमार, श्री	जौनपुर	69–केदार सिंह फोनिया, श्री	चमोली
35–अशोक कुमार सिंह, श्री	रायबरेली	70–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद

71–केशव मेहरा, श्री — आगरा
72–के० सी० सिंह, "बाबा" — उधम सिंह नगर
73–कैलाश, श्री — गाजीपुर
74–कैलाश सिंह राजपूत, श्री — फर्रुखाबाद
75–कौकब हमीद, श्री — मेरठ
76–कोविद कुमार, श्री — शाहजहांपुर
77–कौशल किशोर, डा० — खीरी
78–गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री — आगरा
79–गंगा बख्श सिंह, श्री — उन्नाव
80–गंगा सिंह चौहान, श्री — हरदोई
81–गजेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री — मेरठ
82–गणेश, श्री — गाजीपुर
83–गुलाब देवी, श्रीमती — मुरादाबाद
84–गोपाल कृष्ण, श्री — पीलीभीत
85–गोमती यादव, श्री — लखनऊ
86–गोरखनाथ पाण्डेय, श्री — बदोही
87–गौरी देवी, श्रीमती — गोरखपुर
88–गौरी शंकर (एडवोकेट), श्री — लखनऊ
89–चन्द्र किशोर, श्री — महराजगंज
90–चन्द्र नाथ सिंह, श्री — प्रतापगढ़
91–चन्द्र पाल सिंह यादव, श्री — झांसी
92–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री — बहराइच
93–चन्द्रेश पासवान, श्री — गोरखपुर
94–चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
95–छब्बू पटेल, श्री — वाराणसी
96–छोटे लाल वर्मा, डा० — महोबा
97–छोटे लाल, श्री — हरदोई
98–छोटे लाल गंगवार, मास्टर — बरेली
99–छोटे लाल राजभर, श्री — बलिया
100–छोटे सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
101–जगत पाल सिंह, मेजर — मुरादाबाद
102–जगदम्बिका पाल, श्री — बस्ती
103–जगदीश नारायण (मुन्ना), श्री — जौनपुर
104–जगदीश सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
105–जटा शंकर, श्री — बहराइच
106–जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री — फर्रुखाबाद
107–जय नारायन तिवारी, श्री — सुल्तानपुर
108–जयपाल सिंह, श्री — मेरठ
109–जय प्रकाश, श्री — गाजियाबाद
110–जय प्रकाश निषाद, श्री — देवरिया
111–जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
112–जयवीर सिंह मदौरिया, श्री — इटावा
113–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइया — गोरखपुर
114–जोखू लाल यादव, श्री — इलाहाबाद
115–ज्ञान चन्द, श्री — उत्तरकाशी
116–ज्ञानवती सिंह, डा० — अलीगढ़
117–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री — महराजगंज
118–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
119–तारकेश्वर प्रसाद शुक्ल, श्री — गोरखपुर
120–तिलकराज बेहड़, श्री — उधम सिंह नगर
121–तेजभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
122–तोताराम, श्री — मुरादाबाद
123–तौफीक अहमद, श्री — सिद्धार्थनगर
124–दद्दू प्रसाद, श्री — बांदा
125–दयाशंकर, श्री — जालौन
126–दल बहादुर कोरी, श्री — रायबरेली
127–दलवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
128–दिलीप कुमार, श्री — बहराइच
129–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
130–दीपक कुमार, श्री — उन्नाव
131–दीप लाल भारतीय, श्री — पडरौना
132–दुर्गा प्रसाद, श्री — आजमगढ़
133–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री — कानपुर देहात
134–देवेन्द्र सिंह यादव, कुंवर — एटा
135–धनराज यादव, श्री — सिद्धार्थनगर
136–धनीराम वर्मा, श्री — इटावा
137–धर्मज्ञ मिश्र, श्री — हरदोई
138–धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
139–धर्मराज निषाद, श्री — अम्बेडकर नगर
140–नन्दराम, श्री — बरेली
141–नरेन्द्र, श्री — आजमगढ़
142–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० — इलाहाबाद
143–नरेन्द्र सिंह चौधरी, श्री — कानपुर देहात
144–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री — बुलन्दशहर

145–नरेन्द्र सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
146–नरेन्द्र सिंह सिशौदिया, श्री गाजियाबाद
147–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री हरदोई
148–नवाब सिंह नागर, श्री गाजियाबाद
149–नारायण राम दास, श्री अल्मोड़ा
150–निर्भय पाल शर्मा, श्री सहारनपुर
151–नीरज चतुर्वेदी, श्री कानपुर नगर
152–नेतराम सिंह, श्री एटा
153–"पटेल" राम कुमार वर्मा, श्री खीरी
154–परमानन्द दण्डी, स्वामी रामपुर
155–परवेज हलीम खां, श्री मेरठ
156–पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
157–पीतम राम, श्री पीलीभीत
158–पीटर फैन्थम, श्री नाम निर्देशित सदस्य
159–पूरन सिंह, बुन्देला, श्री ललितपुर
160–पूर्णमासी पंकज, श्री भदोही
161–प्रभा द्विवेदी, श्रीमती फर्रुखाबाद
162–प्रदीप कुमार, श्री मुजफ्फरनगर
163–प्रभु नारायन, श्री वाराणसी
164–प्रमोद कुमार, श्री प्रतापगढ़
165–प्रेम पाल सिंह यादव, श्री बदायूं
166–प्रेम प्रकाश, श्री देवरिया
167–प्रेमलता कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
168–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री बदायूं
169–फतेह बहादुर, श्री महराजगंज
170–फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
171–फागू, श्री मऊ
172–बंश नारायण सिंह, श्री भदोही
173–बंशीधर भगत, श्री नैनीताल
174–बचनूराम पटेल, श्री वाराणसी
175–बच्चा पाठक, श्री बलिया
176–बनवारी लाल दोहरे, श्री फर्रुखाबाद
177–बनारसी दास चान्दना, श्री मेरठ
178–बांके लाल सोनकर, श्री जौनपुर
179–बादशाह सिंह, श्री हमीरपुर
180–बाबू खां, श्री हरदोई
181–बाबू राम, श्री जालौन
182–बाबू राम यादव, श्री मैनपुरी
183–बाबू लाल, श्री आगरा
184–बाबू लाल, श्री उन्नाव
185–बाबू लाल कुशवाहा, श्री बांदा
186–बाल चन्द्र मिश्र, श्री कानपुर नगर
187–बालेश्वर त्यागी, श्री गाजियाबाद
188–बावन सिंह, श्री शाहजहांपुर
189–बिजेन्द्र आर्य, श्री मुजफ्फरनगर
190–बिन्दु लाल, श्री शाहजहांपुर
191–बिहारी लाल आर्य, श्री झांसी
192–बुनियाद हुसैन अंसारी, श्री सीतापुर
193–बेचन राम, श्री गोरखपुर
194–ब्रजेन्द्र पाल सिंह, श्री मुरादाबाद
195–भगवती प्रसाद, श्री कानपुर देहात
196–भगवान सिंह शाक्य, श्री बदायूं
197–भरत सिंह, श्री बलिया
198–भाई लाल, श्री मिर्जापुर
199–भारत सिंह रावत, श्री गढ़वाल
200–भीम प्रसाद, श्री अम्बेडकर नगर
201–भोनू, श्री गाजीपुर
202–भोला शंकर मौर्य, श्री बदायूं
203–मंगल सिंह सैनी, श्री मुरादाबाद
204–मंजू, श्रीमती बलिया
205–मण्डलेश्वर सिंह, श्री आगरा
206–महेश चन्द्र सोनकर, श्री इलाहाबाद
207–मथुरा प्रसाद, श्री कानपुर देहात
208–मलखान सिंह, श्री अलीगढ़
209–मस्तराम, श्री उन्नाव
210–महाराज सिंह यादव, श्री इटावा
211–महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा आगरा
212–महेन्द्र कुमार, श्री बुलन्दशहर
213–महेन्द्र कुमार, श्री सीतापुर
214–महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा० वाराणसी
215–महेन्द्र पाल निषाद, श्री बांदा
216–महेन्द्र सिंह यादव, श्री बुलन्दशहर
217–मातवर सिंह कण्डारी, श्री टिहरी गढ़वाल
218–मानिक चन्द यादव, श्री मैनपुरी
219–माया प्रसाद, श्रीमती खीरी
220–मायावती, सुश्री सहारनपुर

221–मारकण्डेय चन्द, श्री — गोरखपुर
222–मित्रसेन यादव, श्री — फैजाबाद
223–मियलेश कुमारी, श्रीमती — एटा
224–मुख्तार अन्सारी, श्री — मऊ
225–मुन्ना चौहान, श्री — देहरादून
226–मुन्ना लाल मौर्य, श्री — फतेहपुर
227–मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
228–मुराद लारी, श्री — देवरिया
229–मुस्ताक सोलंकी, श्री — कानपुर नगर
230–मुस्लिम, डा० — रायबरेली
231–मुहर सिंह अम्बाडी, श्री — इटावा
232–मूल चन्द, श्री — बिजनौर
233–मोती लाल, श्री — खीरी
234–मोहन सिंह रावत गांववासी, श्री — गढ़वाल
235–मोहम्मद मुकीम, श्री — सिद्धार्थनगर
236–यशपाल सिंह चौहान, श्री — अलीगढ़
237–यशवंत, श्री — आजमगढ़
238–योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
239–योगेन्द्र सिंह, श्री — देवरिया
240–रंगनाथ मिश्र, श्री — भदोही
241–रंग बहादुर पटेल, श्री — इलाहाबाद
242–रघुनाथ सिंह चौहान, श्री — अल्मोड़ा
243–रघुराज प्रताप सिंह "राजा भईया", कुंवर — प्रतापगढ़
244–रघुवर दयाल वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
245–रणधीर सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
246–रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — पडरौना
247–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
248–रमेश पोखरियाल "निशंक", डा० — गढ़वाल
249–रमेश राही, श्री — सीतापुर
250–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो० — मेरठ
251–रवीन्द्र प्रताप चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
252–रवीन्द्र शुक्ला, श्री — झांसी
253–राकेश त्यागी, श्री — बुलन्दशहर
254–राकेश धर त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
255–राकेश सोनकर, श्री — कानपुर नगर
256–राजधारी, श्री — बलिया
257–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
258–राजपाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
259–राज राय सिंह, श्रीमती — पीलीभीत
260–राजा गजनफर अली खां, श्री — बिजनौर
261–राजा राम पाण्डेय, श्री — प्रतापगढ़
262–राजा राम पाल, श्री — कानपुर देहात
263–राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
264–राजेन्द्र, श्री — गाजीपुर
265–राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
266–राजेन्द्र सिंह, श्री — देहरादून
267–राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
268–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
269–राजेश कुमार सिंह, श्री — मुरादाबाद
270–राधेश्याम, श्री — कानपुर देहात
271–राधेश्याम गुप्त, श्री — फतेहपुर
272–राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
273–राधेश्याम सिंह, श्री — पडरौना
274–राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकर नगर
275–राम अवतार मिश्रा, श्री — शाहजहांपुर
276–राम आसरे पासवान, श्री — बस्ती
277–राम आसरे सिंह कुशवाहा, डा० — कानपुर नगर
278–राम औतार शाक्य, श्री — मैनपुरी
279–राम कृपाल, श्री — इलाहाबाद
280–राम खिलाड़ी, श्री — बदायूं
281–राम चन्द्र मौर्य, श्री — मिर्जापुर
282–रामजस, श्री — आजमगढ़
283–रामतेज यादव, एडवोकेट — बहराइच
284–रामदेव आचार्य, श्री — बाराबंकी
285–राम नक्षत्र, श्री — पडरौना
286–राम नरेश रावत, श्री — गाजियाबाद
287–राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
288–रामनाथ, श्री — प्रतापगढ़
289–रामपाल राजवंशी, श्री — सीतापुर
290–रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
291–रामपाल सिंह, श्री — गोण्डा
292–राम प्यारे, श्री — आजमगढ़

293–राम प्रताप सिंह, श्री गोण्डा
294–राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
295–राम बाबू हरित, श्री आगरा
296–राम रतन यादव, श्री सुल्तानपुर
297–राम लखन, श्री सुल्तानपुर
298–राम ललित चौधरी, श्री बस्ती
299–राम विशुन आजाद, श्री गोण्डा
300–रामवीर उपाध्याय, श्री अलीगढ़
301–रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
302–राम शंकर पाल, श्री उन्नाव
303–राम सखी, श्रीमती अलीगढ़
304–राम सिंह, डा० अलीगढ़
305–राम सिंह, श्री बुलन्दशहर
306–राम सिंह सैनी, श्री हरिद्वार
307–राम सेवक सिंह, श्री इलाहाबाद
308–राम सेवक सिंह, श्री बदायूं
309–राम स्वरूप शर्मा, श्री मथुरा
310–राम स्वरूप सिंह, श्री बिजनौर
311–राम हर्ष सिंह, श्री सुल्तानपुर
312–रामाधार सिंह, श्री हमीरपुर
313–रामेश्वर दयाल बाल्मीकि, श्री मैनपुरी
314–रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
315–रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू भइया, श्री गोण्डा
316–रिफाकत हुसैन चौधरी, श्री मुरादाबाद
317–रूप चौधरी, श्री मेरठ
318–रेवती रमण सिंह उर्फ "मणी", कुंवर इलाहाबाद
319–लक्ष्मी कान्त बाजपेयी, डा० मेरठ
320–लक्ष्मी नारायण चौधरी, श्री मथुरा
321–लल्लू सिंह, श्री फैजाबाद
322–लाखी राम जोशी, श्री टिहरी गढ़वाल
323–लालजी टण्डन, श्री लखनऊ
324–लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
325–लालमणि प्रसाद, श्री बस्ती
326–लाल सिंह वर्मा, श्री इटावा
327–लोकपति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
328–वकार अहमद शाह, डा० बहराइच
329–वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
330–बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
331–विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
332–विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
333–विजय कुमार, श्री गाजीपुर
334–विजय पाल सिंह, श्री आगरा
335–विजय प्रकाश, श्री इलाहाबाद
336–विजय सिंह, श्री सोनभद्र
337–विद्या सागर गुप्ता, श्री लखनऊ
338–विनय कुमार पाण्डेय "विन्नू", श्री गोण्डा
339–विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह, श्री गोण्डा
340–विनोद मणि, श्री महराजगंज
341–विभूति प्रसाद निषाद, श्री आजमगढ़
342–विरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
343–विरेन्द्र सिंह, श्री वाराणसी
344–विरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
345–विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
346–विशन सिंह चुफाल, श्री पिथौरागढ़
347–विशम्भर सिंह, श्री मथुरा
348–विश्वनाथ, श्री पडरौना
349–वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना, श्री शाहजहांपुर
350–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री एटा
351–वेद प्रकाश, श्री बस्ती
352–वेद प्रकाश सिंह, एम० एस० डा० बिजनौर
353–शब्बीर अहमद, श्री बहराइच
354–शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
355–शिव गजेश लोधी, एडवोकेट रायबरेली
356–शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
357–शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
358–शिव पूजन राम, श्री वाराणसी
359–शिव प्रताप शुक्ल, श्री गोरखपुर
360–शिव बहादुर सक्सेना, श्री रामपुर
361–शिव शंकर, श्री बांदा
362–शिव सिंह चक, श्री फिरोजाबाद
363–शिवा कान्त, श्री प्रतापगढ़
364–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महराजगंज
365–शिशुपाल सिंह यादव, श्री एटा
366–शेर बहादुर, श्री अम्बेडकर नगर
367–श्याम किशोर यादव, श्री लखनऊ
368–श्याम देव राय

चौधरी, (दादा), श्री वाराणसी
369–श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
370–श्याम लाल रावत, श्री सीतापुर
371–श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
372–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
373–श्री निवास मणि, श्री देवरिया
374–श्रीराम, श्री जालौन
375–श्रीराम, श्री मऊ
376–श्रीराम यादव, श्री जौनपुर
377–संग्राम सिंह, श्री बाराबंकी
378–संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
379–संजय सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
380–संदीप अग्रवाल, श्री मुरादाबाद
381–सतीश जतारिया, श्री झांसी
382–सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
383–सतीश शर्मा, श्री बुलन्दशहर
384–सत्य प्रकाश विकल, श्री आगरा
385–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री वाराणसी
386–सन्त, श्री गोरखपुर
387–सन्त राम सिंह, श्री जालौन
388–समर पाल सिंह, श्री मेरठ
389–सरजीत सिंह डंग, डा० मिर्जापुर
390–सरदार सिंह, श्री मथुरा
391–सरवर अली खां,श्री बाराबंकी
392–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री खीरी
393–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर मुरादाबाद
394–सीता राम निषाद, श्री फैजाबाद
395–सीमा द्विवेदी, श्रीमती जौनपुर
396–सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
397–सुखपाल पाण्डेय, श्री बस्ती
398–सुखवीर सिंह पुण्डीर, श्री सहारनपुर
399–सुधाकर सिंह, श्री मऊ
400–सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव, श्री देवरिया
401–सुमन लता सिंह, श्रीमती बरेली
402–सुरेन्द्र नाथ, श्री बाराबंकी
403–सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री बरेली
404–सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
405–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
406–सुरेश चन्द्र आर्य, श्री उधम सिंह नगर
407–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री लखनऊ
408–सुशील शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
409–सुशीला अग्रवाल, श्रीमती मुजफ्फरनगर
410–सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
411–सूर्य भान, श्री सुल्तानपुर
412–सौलत अली, श्री मुरादाबाद
413–स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री रायबरेली
414–हरदेव सिंह, श्री बाराबंकी
415–हरपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
416–हरवंश कपूर, श्री देहरादून
417–हरिनारायण, श्री बलिया
418–हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री सोनभद्र
419–हरि शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
420–हरि शंकर माहौर, श्री अलीगढ़
421–हरी किशन, श्री कानपुर देहात
422–हरीश चन्द्र गंगवार, श्री बरेली
423–हरीश चन्द्र "हरीश जी", श्री वाराणसी
424–हीरा लाल गौतम, श्री आजमगढ़
425–हुकुम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
426–होराम सिंह, श्री बुलन्दशहर

राज्यपाल
श्री रोमेश भण्डारी

मंत्रि परिषद्

नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1–श्री कल्याण सिंह (मुख्य मंत्री)	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, नियुक्ति, कार्मिक, ऊर्जा, सूचना, निर्वाचन, वित्त, न्याय,विधायी, औद्योगिक विकास, आबकारी, नियोजन, चिकित्सा शिक्षा, वन, प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन,लघु सिंचाई, अम्बेडकर ग्राम विकास,राज्य सम्पत्ति, लघु उद्योग, निर्यात प्रोत्साहन, उद्यान, सहकारिता, संसदीय कार्य,पर्यावरण, ग्राम्य विकास, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति,जनजाति कल्याण, कारागार, राजनैतिक पेंशन, सांस्कृतिक कार्य, खेलकूद, कृषि, परिवहन, खादी एवं ग्रामीण उद्योग, हथकरघा, रेशम उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, वैकल्पिक ऊर्जा, अल्प संख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फ, क्षेत्रीय विकास, इलेक्ट्रानिक्स, पिछड़ा वर्ग कल्याण, कृषि शिक्षा, होमगार्ड्स, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, राष्ट्रीय एकीकरण ।
2–श्री कलराज मिश्र	लोक निर्माण, पर्यटन
3–श्री लालजी टण्डन	आवास, नगर विकास
4–श्री ओम प्रकाश सिंह	सिंचाई, गन्ना विकास
5–डा० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर	उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा
6–श्री रमापति शास्त्री	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
7–डा० नैपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा, भाषा
8–श्रीमती प्रभा द्विवेदी	श्रम
9–श्री ऐजाज रिजवी	खाद्य एवं रसद
10–श्री राधेश्याम गुप्ता	संस्थागत वित्त
11–श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही	राजस्व

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1–श्री बालेश्वर त्यागी	पंचायती राज
2–श्री सुन्दर सिंह बघेल	दुग्ध विकास, पशुधन
3–श्री रवीन्द्र शुक्ल	बेसिक शिक्षा
4–श्री मातवर सिंह कण्डारी	उत्तराखण्ड विकास

नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
	राज्य मंत्री
1–श्री गोरख प्रसाद निषाद	1–श्रम
	2–सेवायोजन
2–श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय	1–आवास
	2–नगर भूमि
	3–नगर विकास
	4–जल सम्पूर्ति
3–श्री धर्मपाल सिंह	1–लोक निर्माण
	2–पर्यटन
4–श्री जयपाल सिंह	1–सिंचाई
	2–बाढ़ नियंत्रण
	3–गन्ना विकास
	4–चीनी मिलें
6–श्री देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह	1–स्वास्थ्य
	2–चिकित्सा
	3–परिवार कल्याण
	4–मातृ एवं शिशु कल्याण
7–श्री अशोक यादव	1–राजस्व
	2–अभाव
	3–सहायता एवं पुनर्वासन
8–श्रीमती राज राय सिंह	1–संस्थागत वित्त
	2–व्यापार कर
	3–मनोरंजन कर
	4–पंजीयन
	5–स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क
9–श्री बंशीधर भगत	1–आय एवं रसद
	2–नागरिक आपूर्ति
	3–किराया नियंत्रण

नेता, विरोधी दल

श्री धनीराम वर्मा.

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठता मण्डल

अध्यक्ष

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

रिक्त

अधिष्ठता मण्डल

1–डा० सरजीत सिंह डंग, सदस्य, विधान सभा (मिर्जापुर),
2–श्री सूर्य प्रताप शाही, सदस्य, विधान सभा (देवरिया) ,
3–श्री राकेशधर त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा. (इलाहाबाद),
4–श्री रंगनाथ, सदस्य, विधान सभा (वाराणसी) ,
5–श्री सुखपाल पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा (बस्ती),
6–श्री दिवाकर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा (सिद्धार्थनगर) ,
7–डा० अशोक बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (हरदोई) ,
8–श्री मुन्ना चौहान, सदस्य, विधान सभा (देहरादून),
9–श्री गौरी शंकर एडवोकेट, सदस्य, विधान सभा (लखनऊ) ,
10–श्री शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, सदस्य, विधान सभा (महराजगंज) ।

सचिव

श्री प्रेम चन्द्र सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा)

मंगलवार, दिनांक 21 अक्टूबर, 1997

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :—

अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद	भोला शंकर मौर्य, श्री	बदायूं
अनीस खां, श्री	पीलीभीत	मतेश चन्द्र सोनकर, श्री	इलाहाबाद
अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती	मानिक चन्द्र यादव, श्री	मैनपुरी
अब्दुल कलाम, श्री	वाराणसी	माया प्रसाद, श्रीमती	खीरी
अमीर आलम खान, श्री	मुजफ्फरनगर	मायावती, सुश्री	सहारनपुर
अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया	मुराद लारी, श्री	देवरिया
अम्मार रिजवी, डा०	सीतापुर	मुहर सिंह अम्बाडी, श्री	इटावा
अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर	राजेन्द्र, श्री	गाजीपुर
अरविन्द गिरि, श्री	खीरी	राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री	फतेहपुर
अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद	राम अचल राजभर, श्री	अम्बेडकर नगर
अशफाक अहमद, श्री	बरेली	राम औतार शाक्य, श्री	मैनपुरी
आर० के० चौधरी, श्री	लखनऊ	राम प्रसाद चौधरी, श्री	बस्ती
इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद	राम ललित चौधरी, श्री	बस्ती
इल्म सिंह, श्री	सहारनपुर	रामवीर उपाध्याय, श्री	अलीगढ़
उमाकान्त यादव, श्री	जौनपुर	राम शंकर पाल, श्री	उन्नाव
उर्मिला देवी, श्रीमती	मैनपुरी	रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू भइया, श्री	गोण्डा
ओइमूवेश, स्वामी	बिजनौर	रिफाकत हुसैन चौधरी, श्री	मुरादाबाद
कमला प्रसाद रावत, श्री	बाराबंकी	रेवती रमण सिंह, कुंवर	इलाहाबाद
कंवर पाल सिंह मास्टर, श्री	सहारनपुर	लालमणि प्रसाद, श्री	बस्ती
काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, श्री	रामपुर	विजमा यादव, श्रीमती	इलाहाबाद
गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री	आगरा	विजय प्रकाश, श्री	इलाहाबाद
गजेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री	मेरठ	विनोद मणि, श्री	महराजगंज
चन्द्र नाथ सिंह, श्री	प्रतापगढ़	विभूति प्रसाद निषाद, श्री	आजमगढ़
चन्द्र पाल सिंह यादव, श्री	झांसी	शिव चरन प्रजापति, श्री	हमीरपुर
छोटे लाल गंगवार, मास्टर	बरेली	शिव पाल सिंह यादव, श्री	इटावा
जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री	फर्रुखाबाद	श्याम प्रकाश, श्री	हरदोई
दयाशंकर, श्री	जालौन	श्याम सुन्दर, श्री	रायबरेली
नरेन्द्र सिंह यादव, श्री	फर्रुखाबाद	श्रीराम, श्री	जालौन
परमानन्द दण्डी, स्वामी	रामपुर	संजय सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
परवेज कलीम खां, श्री	मेरठ	सतीश जतारिया, श्री	झांसी
बाबू लाल कुशवाहा, श्री	बांदा	समर पाल सिंह, श्री	मेरठ
बिजेन्द्र आर्य, श्री	मुजफ्फरनगर	सरवर अली खां, श्री	बाराबंकी
भगवती प्रसाद, श्री	कानपुर देहात	स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	रायबरेली
भीम प्रसाद, श्री	अम्बेडकर नगर	हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री	सोनभद्र

मंगलवार, दिनांक 21 अक्टूबर, 1997

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 12 बजे अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।)

राष्ट्रीय गीत

श्री अध्यक्ष–

सर्वप्रथम राष्ट्रीय गीत जो हमारी कार्यसूची के नत्थी "क" में दिया हुआ है, से कार्यवाही प्रारम्भ करेंगे ।

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
सुजलाम् ।
सुफलाम् ।
मलयज शीतलाम् ।
शस्य श्यामलाम् ।
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्
सुहासिनीम्
सुमधर भाषिणीम्
सुखदाम्
वरदाम्
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

(राष्ट्रीय गीत समाप्त होते ही श्री प्रमोद कुमार एवं श्री कौकब हमीद के साथ विपक्ष के अनेक सदस्य दौड़कर नारे लगाते हुए सदन के वेल में आ गये जिससे घोर व्यवधान उत्पन्न हो गया ।)

श्री अध्यक्ष–

कृपया स्थान ग्रहण करें ।

(घोर व्यवधान होने पर)

कृपया स्थान ग्रहण करें ।

(विपक्ष के कई सदस्य सदन के वेल में आ गये और रिपोर्टर्स तथा कार्यवृत्त लेखक के टेबिल पर चढ़कर नारे लगाने तथा कई सदस्य धक्का-मुक्की करते हुए अध्यक्षपीठ की ओर बढ़ने लगे । कुछ सदस्य रिपोर्टर्स टेबिल पर लगे स्पीकर्स को तोड़कर डायस की ओर फेंकने लगे ।)

(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

कृपया स्थान ग्रहण करें ।

(घोर व्यवधान)

(सदन में विपक्ष की ओर से माइक व मेजों के टाप के तख्ते तोड़कर व स्टाफ के लिए लगी कुर्सियों को फेंका जाने लगा विपक्ष के कई सदस्य राड सहित माइक तोड़-तोड़कर सत्ता पक्ष की ओर फेंकने लगे ।)

(रिपोर्टर्स टेबिल पर चढ़े हुए विपक्ष के कई सदस्यों ने अध्यक्ष आसन की ओर कागज, माइक आदि फेंके ।)

(व्यवधान-शोर)

(विपक्ष के कुछ सदस्यों ने सत्तापक्ष एवं मुख्य मंत्री की ओर माइक फेंके)

(अध्यक्ष आसन की ओर माइक के टुकड़े विपक्ष के सदस्यों द्वारा फेंके गये)

(शोर-शोर व्यवधान)

(घोर व्यवधान के मध्य)

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 1997

मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

माान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 1997 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश भूमि विधि (संशोधन) अध्यादेश, 1997

मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

माान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश भूमि विधि (संशोधन) अध्यादेश, 1997 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग (संशोधन) अध्यादेश, 1997

मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

माान्यवर, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग (संशोधन) अध्यादेश, 1997 को सदन के पटल पर रखता हूं ।

(व्यवधान जारी रहा)

सदन में शान्ति व्यवस्था हेतु सुरक्षा कर्मियों को बुलाने के लिये श्री अध्यक्ष द्वारा मार्शल को निर्देश

श्री अध्यक्ष–

मार्शल सदन में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये सुरक्षा कर्मियों को बुलवा लें ।

[सदी वर्दी में तैनात सुरक्षा (पुलिस) कर्मियों के आने पर]

विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 277 के अन्तर्गत श्री राज्यपाल से प्राप्त संदेश

श्री अध्यक्ष–

अब मैं श्री राज्यपाल के निदेश के अनुसार सदन की कार्यवाही चला रहा हूं ।

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 175 के खण्ड (2) सपठित उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 277 के अन्तर्गत श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश से प्राप्त संदेश दिनांक 20 अक्टूबर, 1997 को पढ़कर सुनाता हूं :–

संविधान के अनुच्छेद 175 के खण्ड (2) के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए मैं, रोमेश

भण्डारी, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, राज्य की विधान सभा को निम्नलिखित संदेश प्रेषित करता हूं :-

1-दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 को सदन के उपवेशन में औपचारिक कार्य और निधन के निर्देश होंगे ।

2-औपचारिक कार्यवाही के पश्चात् श्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाले मंत्रिमण्डल में सदन का विश्वास व्यक्त करने के प्रस्ताव को एक मात्र कार्य के रूप में 21 अक्टूबर, 1997 की कार्य-सूची में सम्मिलित किया जायेगा ।

3-(क) सदन में श्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाले मंत्रिमण्डल में सदन का विश्वास व्यक्त करने वाले प्रस्ताव पर उसी दिन (21-10-97 को) विचार होगा और जब तक प्रस्ताव पर मतदान नहीं हो जाता तब तक सदन का उपवेशन किसी भी दशा में स्थगित नहीं किया जायेगा ।

(ख) श्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाले मंत्रिमण्डल में सदन का विश्वास व्यक्त करने के प्रस्ताव पर मत विभाजन (लाबी डिवीजन) द्वारा लिये जायेंगे और लिखित रूप से व्यक्त किये जायेंगे ।

(ग) सदन में मत विभाजन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाये ।

(व्यवधान जारी रहा)

(इसके बाद समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), जनता दल, किसान कामगार पार्टी आदि के सदस्यों के सदन से चले जाने पर और सदन में कुछ शान्ति स्थापित होने पर)

4-उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 और अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया संबंधी निर्देश में किसी बात के होते हुए भी यह संदेश प्रभावी होगा ।

ह०/ रोमेश भण्डारी

20-10-97 ।

महामहिम श्री राज्यपाल जी के सन्देश पर आप लोग विचार करें, तदनुसार कार्यवाही प्रारम्भ करें ।

उत्तर प्रदेश स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली, 1958 के नियम 149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1997, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 11 अगस्त, 1997 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 13 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर (संशोधन) विधेयक, 1997, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 5 अगस्त, 1997 को पारित किया

गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 13 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

माननीय, मैं आपकी आज्ञा से सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 1997, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 11 अगस्त, 1997 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 13 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

माननीय, मैं आपकी आज्ञा से सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 4 अगस्त, 1997 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 13 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हो गया ।

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

माननीय, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 24 जुलाई, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 01 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 7 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का दसवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश व्यापार कर (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

माननीय, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश व्यापार कर (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 24 जुलाई, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 01 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हुआ था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 7 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का ग्यारहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

माननीय, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 25 जुलाई, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 31 जुलाई, 1997 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 12 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का बारहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 12 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 13 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हुआ था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का तेरहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 11 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 12 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का चौदहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 5 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 12 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का पन्द्रहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश आबकारी (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश आबकारी (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 12 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 13 अगस्त, 1997 को वापस प्राप्त हुआ था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का सोलहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण आवास परिषद् (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण आवास परिषद् (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 28 जुलाई, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 11 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित

किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का सत्रहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 11 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 12 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का अट्ठारहवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 4 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 12 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का उन्नीसवां अधिनियम बन गया ।

उत्तर प्रदेश भूमि विधि (संशोधन) विधेयक, 1997

सचिव, विधान सभा–

मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से घोषणा करता हूं कि उत्तर प्रदेश भूमि विधि (संशोधन) विधेयक, 1997 पर, जिसे उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 01 अगस्त, 1997 की बैठक में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 6 अगस्त, 1997 के उपवेशन में पारित किया था, राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 16 अगस्त, 1997 को प्राप्त हो गयी और वह सन् 1997 का उत्तर प्रदेश का बीसवां अधिनियम बन गया ।

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जगन्नाथ प्रसाद, श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्रीमती सावित्री देवी तथा करुणा एवं प्रेम की मूर्ति मदर टेरेसा के निधन पर शोकोद्गार

* मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

श्रीमन्, श्री जगन्नाथ प्रसाद, श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, एवं श्रीमती सावित्री देवी आज हमारे बीच नहीं हैं । अपनी पार्टी की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारे दल की संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । इसके साथ ही मानवता एवं करुणा की मूर्ति मदर टेरेसा भी हमारे बीच नहीं रही हैं मैं अपनी तथा अपनी पार्टी की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

(समाजवादी पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी के किसी भी माननीय सदस्य के सदन में उपस्थित न होने पर तथा नेता लोकतांत्रिक कांग्रेस श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल का नाम पुकारे जाने पर)

*श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल–

माननीय अध्यक्ष जी, भूतपूर्व सदस्य माननीय जगन्नाथ प्रसाद जी, श्रीमती सावित्री देवी तथा श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी जी के संबंध में जो माननीय नेता सदन ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं । इन तीनों के निधन से प्रदेश को क्षति हुई है वह पूरा नहीं किया जा सकता है । इसके साथ ही मदर टेरेसा जो कि विदेश में जन्मी थीं परन्तु भारत में आकर उन्होंने जिस तरह से

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

मानवता की सेवा की उससे सभी परिचित हैं। उनके निधन से इस देश की ही नहीं सम्पूर्ण विश्व की क्षति हुई है। मैं और मेरा दल उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, किसान कामगार पार्टी तथा जनता दल के माननीय नेताओं के नाम पुकारे जाने पर तथा उनके दल के किसी भी माननीय सदस्य के सदन में उपस्थित न होने पर)

श्री राजा राम पाण्डेय–

मान्यवर, माननीय नेता सदन ने इन दिवंगत माननीय सदस्यों के प्रति जो श्रद्धांजलि अर्पित किये हैं मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं और अनुरोध करता हूं कि मेरा व मेरे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

[भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एवं भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी के माननीय सदस्यों का नाम पुकारे जाने पर तथा उनकी पार्टी के किसी माननीय सदस्य के सदन में उपस्थित न होने पर।

* श्री रघुवर दयाल वर्मा–

माननीय नेता जनता दल, माननीय नेता, लोकतांत्रिक कांग्रेस ने जो विचार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं, साथ ही आपसे निवेदन करता हूं कि मेरी तथा मेरे दल की शोक संवेदनायें, शोक संतप्त परिवारजनों तक पहुंचा दी जायें।

श्री अध्यक्ष–

माननीय नेता सदन, माननीय नेता लोकतांत्रिक कांग्रेस पार्टी, माननीय नेता जनता दल (राजाराम पाण्डेय) ग्रुप, माननीय नेता समता पार्टी ने इस सदन के पूर्व सदस्य श्री जगन्नाथ प्रसाद, श्रीमती सावित्री देवी तथा राजेन्द्र प्रसाद चौधरी के निधन के संबंध में जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं। श्री जगन्नाथ प्रसाद जी तथा श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी जी से मेरा व्यक्तिगत परिचय था और उनके निधन से मेरी व्यक्तिगत क्षति भी हुई है। श्रीमती सावित्री देवी यद्यपि एक बार ही जीतकर आयीं, फिर भी उनका काफी योगदान रहा। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि शोक-संतप्त परिवारजनों को ईश्वर इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। मदर टेरेसा का नाम भी विशिष्टजनों में था, सदन के अन्य नेताओं के जो विचार हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं और आपसे यह अनुरोध करता हूं कि सभी दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिये हम लोग दो मिनट मौन खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित करें।

(दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिये सभी माननीय सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुए)

कार्यमंत्रणा समिति द्वारा समय निर्धारण का प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष–

मैं कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश प्रस्तुत कर रहा हूं।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 की बैठक में सदन के दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 के उपवेशन के कार्यक्रम के संबंध में निम्नलिखित सिफारिश की है :—

1–सदन का दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया जाय :—

<u>अक्टूबर, 1997</u>

21 मंगलवार — <u>12 बजे अपराह्न</u>

(1) औपचारिक कार्य

---

* वक्ता ने भाषण का पुनरीक्षण नहीं किया।

(2) निधन के निर्देश

(3) मंत्रि-परिषद् के प्रति विश्वास के प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण तथा उस पर विचार ।

मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)--

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश से, जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गई है, सहमत है ।

श्री अध्यक्ष--

प्रश्न यह है कि कार्य मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक, प्रस्ताव जिसकी सूचना माननीय नेता सदन द्वारा दी गयी है, से सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

सदन द्वारा मंत्रि-परिषद् में विश्वास प्रस्ताव तथा मतदान

मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)--

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं " कि यह सदन मंत्रि-परिषद् में विश्वास व्यक्त करता है ।"

श्रीमन्, सामने सुनने वाले नहीं हैं, कहने को तो बहुत कुछ था, मैं आज उनको बेनकाब कर देता, लेकिन अब मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस पर चर्चा कराने के बजाय सीधे मतदान के लिये प्रस्तुत कर दें, इससे सदन का समय बचेगा, यही मेरी प्रार्थना है ।

श्री अध्यक्ष--

सदन में पक्ष अथवा विपक्ष का कोई नेतागण अपने विचार व्यक्त करना चाहें तो करें ।

श्री हरी किशन--

मान्यवर, मैं कुछ कहना चाहता हूं । मान्यवर, लोकतंत्र में सत्तापक्ष विपक्ष सदैव रहता है जब तक लोकतंत्र रहेगा तब तक ये दोनों पक्ष रहेंगे, इसी को लोकतंत्र कहते हैं । मान्यवर, दुर्भाग्य से उ० प्र० में एक ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो गयी है जिससे कि कि लग रहा है कि लोकतंत्र ही यहां नहीं बचेगा । उ० प्र० में एक गुट-दल के रूप में ऐसा उभरा कि वह, मुंगेरी लाल के सपने देखने लगा है । उस दल की नेता कहती हैं कि उसके बिना उ० प्र० में राजनीति की पत्ती नहीं हिलेगी, जो वह चाहेंगे वही होगा । यदि उन्होंने सरकार से समर्थन वापस लिया है तो सरकार नहीं चल सकती, भले ही उसका बहुमत हो । मान्यवर, मैं आज उन मा० सदस्यों को बधाई देना चाहता हूं जो यहां इस शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं कि देखो बहुमत किसका है । इस राजनैतिक अराजकता को समाप्त करना है । आप जितनी कुर्सियां मगोड़ों की खाली पड़ी हैं उनको गिना लीजिये और जो लोग बैठे हैं उनको गिना लीजिये तो उससे मतदान के पूर्व ही स्पष्ट हो जायेगा कि बहुमत किसका है ? हताशा से आज जो गुण्डागर्दी का नग्न प्रदर्शन किया गया है यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है । सभी की शर्म से गर्दन झुक गयी है ।

* श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल–

मान्यवर, माननीय नेता सदन ने जो मंत्रि-परिषद् में विश्वास का प्रस्ताव रखा है मैं उसके समर्थन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। मान्यवर, उत्तर प्रदेश की जनता को आज हम एक संदेश दे सकेंगे कि कांग्रेस दल से अलग होकर हमने उत्तर प्रदेश लोकतांत्रिक कांग्रेस क्यों बनाई और भारतीय जनता पार्टी की सरकार को हम समर्थन क्यों दे रहे हैं ? मान्यवर, पिछले 7-8 सालों में जो साल डेढ़ साल की सरकारें बनी उन्होंने उत्तर प्रदेश को जातीय दंगों में झोंकने का काम किया है और हम लोगों में आपसी समरसता को समाप्त करने का काम किया है। मुझे आज बड़ी तकलीफ है। मैं चाहता हूं कि इस सदन के माध्यम से यहां साम्प्रदायिकता पर डिसकशन होना चाहिए, साम्प्रदायिकता शब्द का मतलब क्या है ? कल जो लोग भारतीय जनता पार्टी को साम्प्रदायिक कहते थे, माननीय मुलायम सिंह जी इसी भारतीय जनता पार्टी के साथ चुनाव लड़े तब भारतीय जनता पार्टी साम्प्रदायिक नहीं थी, मायावती जी ने इसी भारतीय जनता पार्टी के साथ सरकार बनाई तब वह साम्प्रदायिक नहीं थी। केरल में कांग्रेस मुस्लिम लीग के साथ समझौता करके चुनाव लड़ती है तब साम्प्रदायिकता नहीं होती है, गुजरात में कांग्रेस बघेला को समर्थन देती है जो आर० एस० एस० के कैडर का है तब साम्प्रदायिकता नहीं होती, बिहार में लालू प्रसाद यादव को कांग्रेस समर्थन दे रही है जो भ्रष्टाचार में लिप्त है वहां पर कांग्रेस कहती है कि भ्रष्टाचार अच्छा है साम्प्रदायिकता से। इस तरह की दो मुंही नीति के कारण ही उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में कांग्रेस का सफाया हो रहा है और यह केन्द्र में 13 दलों की सरकार को समर्थन दे रही है। 6 महीने जिनको आपने मुख्य मंत्री बनाया था, कम से कम उनके भ्रष्टाचार के कार्यों की जांच के बारे में मुख्य मंत्री जी आप सदन में घोषणा कीजिये। नोयडा में जमीन घोटाला हुआ, लाटरी घोटाला में रुपया पैदा किया गया, स्थानान्तरण, ट्रांसफर पोस्टिंग में रुपया पैदा किया गया, डी० आई० जी० लखनऊ लाटरी वालों से 7 करोड़ रुपया लेता था, [× × ×] आई० ए० एस० सचिव मुख्य मंत्री, मुख्य मंत्री के घर में बैठकर दलाली करता था। [× × ×] आई० जी० स्टाम्प, व कमिश्नर एक्साईज होकर पूरे प्रदेश को लूट लिया। तो माननीय मुख्य मंत्री जी आज आप यह घोषणा करके इस प्रदेश की जनता को संदेश दें। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे तभी हम प्रदेश का विकास कर पायेंगे। विकास के लिये संसाधन जो मुहैय्या कराये जा रहे हैं, उनको ठीक ढंग से लगाया जाय। जो आरोप हैं, इस प्रदेश में जो लाटरी घोटाला हुआ है, 7 करोड़ रु० लिये जा रहे थे, नोएडा में जो कामर्शियल जमीन को उन्होंने आवासीय में बदल दिया, फ्लोट पथों की खरीद में भ्रष्टाचार हुआ, बुलन्दशहर में बाग की जमीन खरीदी गयी, इसी तरह से विद्युत परिषद् के अध्यक्ष की नियुक्ति में 2 करोड़ रु० का घोटाला हुआ है, एग्रीकल्चर में कोई ऐसा भूमि संरक्षण अधिकारी नहीं, जिससे रुपया नहीं लिया गया, इन सब आरोपों की आप जांच करायें और जनता के बीच में स्पष्ट संदेश दें। हमने आपका साथ दिया है, प्रदेश में भ्रष्टाचार न होने पाये, प्रदेश में अपराध नहीं रहेंगे। हमने आपका साथ दिया है कि इस प्रदेश में जातीयता और साम्प्रदायिकता का कोई स्थान नहीं रहेगा। हम सब मिलकर के इस प्रदेश को एक नया संदेश देंगे। आपके नेतृत्व में 4 साल इस प्रदेश में सरकार चलायेंगे, इस प्रदेश को एक नयी दिशा देंगे। अपने दल की इन भावनाओं के साथ हमने अपना संदेश दिया। मैं आपके समर्थन में हूं और हमारे दल के सभी सदस्य इस मंत्रि परिषद् में विश्वास व्यक्त करते हैं। धन्यवाद।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नोट :– [× × ×] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

* श्री रघुवर दयाल वर्मा–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय कल्याण सिंह जी द्वारा रखे गये प्रस्ताव का समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। मान्यवर, जिस तरह से पूर्व में प्रदेश में अस्थिर सरकारें रहीं और जिससे प्रदेश में अस्थिरता का दौर चला, उससे प्रदेश विकास के मामले में पीछे हो गया। मान्यवर, जो जातीयता के आधार पर चुनाव में जीतकर आये, जो मुख्य मंत्री बनीं, जिस प्रकार से उन्होंने जातीयता को बढ़ाया, उससे प्रदेश में गम्भीर खतरा पैदा हो गया। उसी से आज इस प्रदेश की हालत दिन प्रतिदिन बिगड़ती चली जा रही थी। भारतीय जनता पार्टी को साम्प्रदायिक कहा जा रहा है, मैं दो बातें कहना चाहता हूं। मैं मान्यवर, संक्षिप्त कर रहा हूं। डा० राम मनोहर लोहिया और बड़े-बड़े नेताओं के बीच में बैठक होकर, 1967 में जो संविद सरकार बनी, उसमें मान्यवर, भारतीय जनसंघ भी भागीदार था। इसी तरह से 1977 में जो सरकार बनी, भारतीय जनसंघ, भारतीय जनता पार्टी सभी विपक्षी दल सभी ने सम्मिलित होकर जनता पार्टी का निर्माण कराया है उसमें भारतीय जनसंघ को, भारतीय जनता पार्टी को सरकार में आने का मौका दिया गया, केन्द्र और प्रदेश की सरकारों में भी वे शरीक हुए, तब वह पार्टी साम्प्रदायिक पार्टी नहीं थी। मान्यवर, इसी तरह से 1989 में सरकार बनी। जब मान्यवर, मायावती जी का भारतीय जनता पार्टी से गठबन्धन था तो वह पार्टी साम्प्रदायिक नहीं थी। जब सुश्री मायावती जी सरकार से अलग हो गयीं तो भारतीय जनता पार्टी साम्प्रदायिक हो गयी।

मान्यवर, आज की परिस्थितियों में, प्रदेश से जातीयता के जहर को खत्म करने के लिए, विकास के मामले में इसको आगे बढ़ाने के लिए, भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए, हमें भी इस मंत्रि-परिषद् में पूर्ण विश्वास है, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री सरदार सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले आपको बधाई देता हूं कि आप कुर्सी पर बैठे हैं चूंकि आज जिस समय यहां आने के लिए बहुजन समाज पार्टी के विधायक लोग गाड़ियों में बैठ रहे थे तो उस समय कहा गया था कि स्पीकर पर हमला करना है और हाथ-पैर तोड़ देना है जिससे वह विश्वास मत संबंधी प्रस्ताव सदन में न रख सकें। अध्यक्ष महोदय, जैसे ही कल समाचार आया कि कांग्रेस पार्टी के 22 विधायकों ने श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल के साथ मिलकर अलग उत्तर प्रदेश लोकतांत्रिक कांग्रेस दल बना लिया है तो मायावती की गाड़ी आयी और उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार नहीं बनने दी जायेगी और भाजपा की सरकार को भंग करवा देंगी। मायावती ने यह भी कहा कि मुलायम सिंह से बात हो गयी है दिल्ली में बात हो गयी है कि कल विधान सभा को भंग करवा देंगी। मान्यवर, आज जैसे ही बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय से गाड़ियां चलीं तो उस समय कहा गया कि स्पीकर को जिन्दा नहीं छोड़ना है। श्री कल्याण सिंह पर हमला करना है और लहूलुहान करके छोड़ना है तथा श्री राज्यपाल के पास जाकर विधान सभा को भंग कराना है। मान्यवर, डा० भीमराव अम्बेडकर के नाम पर करोड़ों रुपये जनता का बरबाद किया गया है। भ्रष्टाचार करके अरबों रुपये जनता का बेकार किया गया है। यह सब हमसे नहीं बर्दाश्त हुआ तो भारतीय जनता पार्टी का हम लोकतन्त्र को जिन्दा रखने के लिए समर्थन करते हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनरीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय में साजिश रची गयी कि स्पीकर को जिन्दा नहीं छोड़ना है। श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल जी ने जो मायावती के खिलाफ आरोप लगाये हैं उसकी पूरी लिस्ट हमारे पास है। वह डी०एम०, एस०एस०पी० से चौथ के रूप में पैसा लेती थी और जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा उन्होंने लूटा है जिसका चिट्ठा मेरे पास है। इन सब बातों को देखते हुए हमने भारतीय जनता पार्टी की और श्री कल्याण सिंह की सरकार का समर्थन करते हुए चाहता हूं कि लोकतन्त्र मजबूत बने और भ्रष्टाचार दूर हो और समरसता का वातावरण बने। इन शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

श्री मारकण्डेय चन्द–

अध्यक्ष महोदय, अधिक कहने का समय नहीं है लेकिन मैं इतना बताना चाहता हूं कि हमारे 23 साथी हमारे नेतृत्व में मंत्रि-परिषद् से इस्तीफा देने के बाद बहुजन समाज पार्टी की तानाशाही रवैये से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार और श्री कल्याण सिंह का समर्थन करने के लिए यहां उपस्थित हुए हैं और मैं विश्वास मत प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

* श्री जगदम्बिका पाल–

मान्यवर, इस सम्मानित सदन में नेता सदन द्वारा जो मंत्रि-परिषद् में विश्वास मत व्यक्त करने संबंधी प्रस्ताव रखा गया है मैं उसका समर्थन करता हूं। अभी मेरे पूर्व श्री रघुवर दयाल वर्मा, समता पार्टी के नेता ने जो विचार व्यक्त किए हैं मैं उनसे अपनी भावना को सम्बद्ध करता हूं।

मान्यवर, आज उत्तर प्रदेश की जनता को इस बात की जानकारी हो जायेगी कि इसके पूर्व की सरकार की जो भावना अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति ऐक्ट का जो दुरुपयोग हो रहा था उसको रोकने के लिए जो भाजपा सरकार ने शासनादेश जारी किया जिसके विरोध में बहुजन समाज पार्टी ने आन्दोलन और धरने का जो निर्णय लिया वह ठीक नहीं हुआ और इसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को श्री कल्याण सिंह के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। श्री कल्याण सिंह के नेतृत्व में जब सरकार बनी तो उसने सबसे पहले प्राथमिकता देकर जो हरिजन ऐक्ट का प्रतिपक्ष के लोगों के प्रति दुरुपयोग हो रहा था उसे रोकने हेतु शासनादेश जारी किया था। मैं कहना चाहता हूं कि अगर आप इस प्रदेश के हित में और देश के हित में अपने स्वार्थ और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर कार्य करेंगे तो आपको समर्थन सदैव मिलता रहेगा। मेरा आपसे आग्रह है कि जिन लोगों ने सत्ता का दुरुपयोग किया है, उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये।

*मुख्य मंत्री (श्री कल्याण सिंह)–

श्रीमन्, मैं बहुत कम समय में 2-3 बातें कहना चाहता हूं। अभी हमारे माननीय नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे सहमत हूं और जिन्होंने इस सरकार को समर्थन दिया है मैं उनके प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं और धन्यवाद देता हूं।

माननीय श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल जी ने भ्रष्टाचार के बारे में कहा है तो मैं कहना चाहता हूं कि निश्चित तौर से कोई बड़ा से बड़ा क्यों न हो, अगर भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जायेगा, उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी मुहिम चलती रहेगी। मायावती ने करोड़ों का घोटाला किया है, भ्रष्टाचार किया है, उसकी जांच करायी जायेगी। उन्होंने ग्रेटर नोयडा में

नोट :- * वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

500 करोड़ की हेरा-फेरी की है, उस मामले को सी०बी०आई० को दे दिया गया है । दूसरा और घोटाला फायर फ्लोट पम्प का है, पत्रावली से स्पष्ट है कि इसमें घोटाला हुआ है और लगभग ढाई करोड़ से ज्यादा का घोटाला है । इस मामले को भी मैंने सी०बी०आई० को दे दिया है । एग्रीकल्चर फार्म 650 हजार एकड़ जमीन खरीद फरोख्त की गयी है, मामला न्यायालय में है और जैसे ही उसका निस्तारण होगा, केस कमजोर है, उसे भी सी०बी०आई० को जांच के लिए दे दिया जायेगा । इसमें भी करोड़ों रुपये का घपला किया गया है । लाटरी से जो साढ़े छः करोड़ रुपया मायावती वसूल कर रही थीं, उसकी जांच की भी मैं घोषणा करता हूं । जो माफिया हावी हो गये थे, प्रतिबद्धता ली है उसके बारे में भी जांच कराऊंगा । इसकी घोषणा करता हूं । वह भ्रष्टाचार के कठघरे में खड़ी हो गयी हैं और जान बचाने के लिए सरकार से समर्थन वापस ले लिया है । मैं अपने को और अपनी सरकार को प्रतिबद्ध करता हूं कि कानून व्यवस्था चुस्त और दुरुस्त की जायेगी । सभी को समान सुरक्षा का अवसर मिलेगा, जाति धर्म, मजहब का कोई भेदभाव नहीं होगा । मैं मां-बहनों की सुरक्षा की गारन्टी के लिए अपनी प्रतिवद्धता करता हूं । भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी मुहिम चलती रहेगी और जिस किसी भी व्यक्ति के खिलाफ शिकायत आयेगी, उसकी जांच करायी जायेगी और दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही की जायगी । जब तक भ्रष्टाचार रहेगा, विकास नहीं होगा, विकास नहीं होगा तो लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा और जब रोजगार नहीं मिलेगा तो उनके पास पैसे नहीं होंगे और उनकी गरीबी दूर नहीं होगी, उनका पिछड़ापन दूर नहीं होगा । मुझे पूरा विश्वास है कि इस पावन कार्य में आप सभी का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा । मैं अपने को और अपनी सरकार को प्रतिबद्ध करता हूं, इस पिछड़े प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए और उसमें हम सभी का सहयोग अपेक्षित होगा । मैं प्रतिबद्ध करता हूं कि उत्तर प्रदेश से जातिवाद के जहर को समाप्त कर दूंगा और उसमें सबका सहयोग अपेक्षित होगा । मैं अपने और अपनी सरकार की ओर से प्रतिबद्ध करता हूं कि दो, तीन, चार सम्प्रदायों के बीच मनमुटाव, बिखराव, तनाव पैदा नहीं होना चाहिए । पूजा अर्चना जो चाहे जिसकी करता हो । मन्दिर जाने वाले मन्दिर जायें, गुरुद्वारा जाने वाले गुरुद्वारा जायें, गिरजा जाने वाले गिरजा जाकर, मस्जिद जाने वाले मस्जिद जाकर अपनी प्रार्थना करें । किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए । साम्प्रदायिक सद्भाव को बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध करता हूं । श्रीमन्, मुझे पता है कि सुश्री मायावती ने पिछले दिनों किस प्रकार से विकास के कार्यों का पैसा इधर-उधर डाइवर्ट कर दिया था । मैं इसका अध्ययन कर रहा हूं । सही कामों में पैसा लगाया जायेगा । फिजूलखर्ची में पैसा दिया जा रहा था अब ऐसा नहीं होगा । फिजूलखर्ची को रोककर विकास के कार्यों में पैसा लगेगा । एक बात और कहना चाहता हूं । आप सब सहमत होंगे प्रदेश के बिखरने के अनेक कारण हैं । मैं सब पर नहीं जाना चाहता । जो सबसे बड़ा कारण है वह यह है कि पालिटिक्स इनस्टबिलिटी राजनैतिक अस्थिरता । मैं आप सभी के सहयोग से निश्चित तौर पर कोशिश करूंगा कि प्रदेश में राजनैतिक अस्थिरता समाप्त हो । पालिटिकल स्टैबिलिटी आये । आज भी जो हमारे साथ आये हैं, उनसे हमारी जो वार्ता हुई है कि उसमें केवल आज 21 अक्टूबर का ही दिन नहीं है हम चाहेंगे कि सरकार चार साल का कार्यकाल पूरा करे । यह हमारा जनता के प्रति दायित्व है । जनता भी रोज-रोज के इस रवैये से ऊब चुकी है । प्रदेश का विकास रुक गया है । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी कृतज्ञता उनके समर्थन के लिए उनके द्वारा उठाये गये विचारों के लिए प्रकट करता हूं ।

श्री अध्यक्ष–

माननीय मुख्य मंत्री जी जैसी एक पद्धति होती है लोकतान्त्रिक कांग्रेस, जनता दल (राजाराम पाण्डेय) के उन सदस्यों को जिन्होंने आपको समर्थन दिया, ब० स० पा० के उन सदस्यों का जिन्होंने आपको समर्थन दिया उनको धन्यवाद तो दे दें ।

श्री कल्याण सिंह–

श्रीमन्, वैसे मैंने जब यह शब्द प्रयोग किये थे कि 'आप सभी' तो उसमें सब आ गये थे लेकिन फिर भी जैसा कि लोकतांत्रिक कांग्रेस पार्टी बनाकर समर्थन किया है मैं अपनी ओर से उनके प्रति कृतज्ञ हूं। जनता दल से हट कर अलग जनता दल (राजा राम पाण्डेय) पार्टी बनाई। उन लोगों ने सरकार को समर्थन दिया है उनका धन्यवाद करता हूं। बहुजन समाज पार्टी के बहुत सारे मित्र बैठे हैं और आज सरकार को समर्थन कर रहे हैं, निर्दलीय विधायक हमारी सरकार का समर्थन कर रहे हैं उनके प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

श्री अध्यक्ष–

वैसे तो विधान सभा प्रक्रिया नियमावली में मतदान की निश्चित प्रक्रिया है परन्तु महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने संदेश में कहा है जो कि मैंने पहले ही पढ़कर सुना दिया था। फिर से बता देता हूं। महामहिम राज्यपाल ने अपने संदेश में पैरा–3 (क) में कहा है कि "सदन में श्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाले मंत्रिमण्डल में सदन का विश्वास व्यक्त करने वाले प्रस्ताव पर उसी दिन (21-10-97) विचार होगा और जब तक प्रस्ताव पर विचार नहीं हो जाता तब तक सदन का उपवेशन किसी भी दशा में स्थगित नहीं किया जायेगा।" पैरा–3 (ख) में कहा है कि "श्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाले मंत्रिमण्डल में सदन का विश्वास व्यक्त करने के प्रस्ताव पर मत विभाजन (लाबी डिवीजन) द्वारा लिये जायेंगे और लिखित रूप से व्यक्त किये जायेंगे। आप सबको पता है कि इसकी एक निश्चित प्रक्रिया है लेकिन महामहिम राज्यपाल के संदेश के अनुपालन में मत लाबी डिवीजन द्वारा करेंगे और निश्चित रूप से आप अपना मत व्यक्त करेंगे। लिखित मत व्यक्त करने का यह तरीका है। जो इस प्रस्ताव के पक्ष में है वह "हां" लाबी में हस्ताक्षर करेंगे और जो इस प्रस्ताव के विरोध में हैं वह "नहीं" लाबी में हस्ताक्षर करेंगे। मैं पूरी प्रक्रिया आपके सामने प्रस्तुत करता हूं सदन की "हां" लाबी में और "नहीं" लाबी में विभाजन सूची रखी गयी है। मेरा दाहिनी ओर "हां" लाबी है और बांयी ओर "नहीं" लाबी है। मा० सदस्गण अपने नाम के सामने स्पष्ट हस्ताक्षर करेंगे उसी आधार पर मत विभाजन होगा। "हां" लाबी और "नहीं" लाबी में विभाजन सूची में हस्ताक्षर करने से पूर्व ऐसे सभी व्यक्ति जो विधान सभा के सदस्य नहीं हैं, मंत्रि-परिषद के सदस्यों एवं महाधिवक्ता को छोड़कर सभा-मण्डप एवं उसकी दोनों लाबियों से बाहर चले जाएं। सभा मण्डप में एवं उनके दोनों सभा कक्षों (लाबियों) में विधान सभा सचिवालय के वही अधिकारी/कर्मचारी विभाजन के समय रह सकेंगे जिनकी सदन के कार्य हेतु ड्यूटी लगाई गई है। मत विभाजन के लिए पांच मिनट तक घंटी बजाई जायेगी, घंटी बन्द होने पर सदन के बाहरी दरवाजे बंद कर दिए जायेंगे। तत्पश्चात् विचाराधीन प्रस्ताव के पक्ष एवं विपक्ष में जो माननीय सदस्य मतदान करना चाहें, वह कृपया स्वेच्छा से हमारे दांयी या बांयीं ओर की "हां" या "नहीं" लाबी में जायेंगे और पहले बतलाई गई प्रक्रिया के अनुसार विभाजन सूची में अपने नाम के सामने स्पष्ट हस्ताक्षर करके पुनः सदन में आकर अपना स्थान ग्रहण करेंगे। दोनों सदनों में ड्यूटी पर तैनात अधिकारी कर्मचारी विभाजन सूची पर हस्ताक्षर करने वाले माननीय सदस्यों के हस्ताक्षर को सत्यापित करेंगे। माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वह लाबी में तैनात अधिकारियों द्वारा अनुरोध किये जाने पर अपना परिचय-पत्र अवश्य दिखला दें। यदि वह अपना परिचय पत्र लाना भूल गये हों तो अपने परिचय का समाधान ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को अवश्य करा दें, ताकि उनके हस्ताक्षर को सत्यापित करने में कोई असुविधा न हो। जो माननीय सदस्य लाबियों में अपने हस्ताक्षर कर लें वह पुनः सदन में आकर

अपना स्थान ग्राहण कर लें और दूसरी लाबियों में न जाएं । मत विभाजन की प्रक्रिया आरम्भ करने से पूर्व सभा मंडप के सभी प्रवेश द्वार तब तक के लिए बंद कर दिए जायेंगे जब तक मत विभाजन का परिणाम घोषित न कर दिया जाये तब तक कोई सदस्य बाहर नहीं जायेंगे । मत विभाजन के लिए घंटी बजा दी जाये ।

(लगातार 5 मिनट तक घंटी बजाई गई)

(घंटी बंद होने पर)

श्री अध्यक्ष–

सचिवालय कर्मचारी दरवाजे बंद कर दें ।

(दरवाजे बंद होने पर)

मैं प्रक्रिया प्रारम्भ कर रहा हूं । जो प्रक्रिया है उसके अनुसार दरवाजे बंद हो गये हैं । मत विभाजन का परिणाम घोषित होने तक दरवाजे बंद रहेंगे ।

मत विभाजन का कार्य आरम्भ कर रहा हूं ।

प्रश्न यह है कि "यह सदन मंत्रि-परिषद् में विश्वास व्यक्त करता है ।" अब जो माननीय सदस्य प्रस्ताव के पक्ष में हों वह "हां" लाबी में जाकर उक्त रूप से बतायी गयी प्रक्रिया के अनुसार अपना मत व्यक्त करें । इसी तरह से जो माननीय सदस्य प्रस्ताव के विरोध में हों, वे "नहीं" लाबी में जाकर उक्त रूप में अभी बताई गयी प्रक्रिया के अनुसार मत व्यक्त करें ।

(मतदान के लिये प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी)

श्री अध्यक्ष–

जो माननीय सदस्य अभी भी अपना मत अंकित करने नहीं गये हैं, वे संबंधित लाबी में जाकर अपना मत अंकित करें ।

(मतदान कार्य पूर्ण होने पर)

श्री अध्यक्ष–

मत विभाजन का कार्य पूरा हो गया है । मतगणना हो रही है । मत विभाजन के परिणाम की कृपया प्रतीक्षा कर लें । जैसे ही परिणाम आता है आपके समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा ।

(मतदान का परिणाम आने पर)

अब मैं मंत्रि-परिषद् में विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में और विपक्ष में मत देने वाले सदस्यों का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूं :–

प्रस्ताव के पक्ष में–222

1–अक्षयवर लाल, श्री
2–अजय कुमार पोइया, श्री
3–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री
4–अजय भट्ट, श्री
5–अजय राय, श्री
6–अजित कुमार मेहरोत्रा, श्री
7–अतुल कुमार, श्री
8–अनिल कुमार, श्री
9–अमर मणि, श्री
10–अमित अग्रवाल, श्री
11–अरविन्द कुमार जैन, श्री
12–अरुण प्रताप सिंह, श्री
13–अशोक कुमार, श्री
14–अशोक यादव, श्री
15–आनन्द प्रकाश, श्री
16–इन्द्र देव, श्री
17–ओमकार सिंह, श्री
18–ओम प्रकाश, श्री (एटा)
19–ओम प्रकाश सिंह, श्री
20–कल्याण सिंह, श्री
21–काशी नाथ, श्री
22–कृपा शंकर सिंह, श्री
23–कृष्ण चन्द्र पुनेठा, श्री
24–कृष्णा राज, श्रीमती
25–केदार सिंह फोनिया, श्री
26–केशो मेहरा, श्री
27–कैलाश सिंह राजपूत, श्री
28–कोविद कुमार, श्री
29–गंगा बख्श सिंह, श्री
30–गंगा सिंह चौहान, श्री
31–गणेश, श्री
32–गुलाब देवी, श्रीमती
33–गोमती यादव, श्री
34–गोरखनाथ पाण्डेय, श्री
35–चन्द्र किशोर, श्री
36–चन्द्र मणि कान्त सिंह, श्री
37–छब्बू पटेल, श्री
38–छोटे लाल वर्मा, डा० (महोबा)
39–छोटे लाल, श्री (हरदोई)
40–जगत पाल सिंह, मेजर
41–जगदम्बिका पाल, श्री
42–जटा शंकर, श्री
43–जयपाल सिंह, श्री
44–जय प्रकाश, श्री
45–जय प्रकाश निषाद, श्री
46–जय प्रताप सिंह, श्री
47–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री
48–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइया, श्री
49–ज्ञान चन्द्र, श्री
50–ज्ञानवती सिंह, डा०
51–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री
52–तारकेश्वर प्रसाद शुक्ल, श्री
53–तिलक राज बेहड़, श्री
54–तेजभान सिंह, श्री
55–तोताराम, श्री
56–दलबहादुर कोरी, श्री
57–दलवीर सिंह, श्री
58–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री
59–दीपलाल भारती, श्री
60–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री
61–धनराज यादव, श्री
62–धर्मपाल सिंह, श्री
63–नरेन्द्र, श्री
64–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा०
65–नरेन्द्र सिंह चौधरी, श्री
66–नरेन्द्र सिंह सिशौदिया, श्री
67–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री

68–नवाब सिंह नागर, श्री
69–नारायण राम दास, श्री
70–निर्भय पाल शर्मा, श्री
71–नीरज चतुर्वेदी, श्री
72–नेतराम सिंह, श्री
73–पीटर फैन्यम, श्री (नाम-निर्देशित)
74–पूरन सिंह बुन्देला, श्री
75–पूर्णमासी पंकज, श्री
76–प्रदीप कुमार, श्री
77–प्रभा द्विवेदी, श्रीमती
78–प्रेम प्रकाश, श्री
79–प्रेम लता कटियार, श्रीमती
80–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री
81–फतेह बहादुर, श्री
82–फागू, श्री
83–बंश नारायण सिंह, श्री
84–बंशीधर भगत, श्री
85–बचनू राम पटेल, श्री
86–बच्चा पाठक, श्री
87–बनवारी लाल दोहरे, श्री
88–बांके लाल सोनकर, श्री
89–बादशाह सिंह, श्री
90–बाबू राम, श्री
91–बाबू लाल, श्री (आगरा)
92–बाबू लाल, श्री (उन्नाव)
93–बाल चन्द्र मिश्र, श्री
94–बालेश्वर त्यागी, श्री
95–बावन सिंह, श्री
96–बिन्दु लाल, श्री
97–बिहारी लाल आर्य, श्री
98–बेचन राम, श्री
99–भगवान सिंह शाक्य, श्री
100–भरत सिंह, श्री
101–भाई लाल, श्री
102–भारत सिंह रावत, श्री
103–मंगल सिंह, श्री
104–मंजू सिंह, श्रीमती
105–मण्डलेश्वर सिंह, श्री
106–मथुरा प्रसाद, श्री
107–मलखान सिंह, श्री
108–मस्तराम, श्री
109–महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा
110–महेन्द्र कुमार, श्री (बुलन्दशहर)
111–महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा०
112–महेन्द्र सिंह यादव, श्री
113–मातवर सिंह कण्डारी, श्री
114–मारकण्डेय चन्द, श्री
115–मिथलेश कुमारी, श्रीमती
116–मोहन सिंह रावत गांववासी, श्री
117–मोहम्मद मुकीम, श्री
118–यशपाल सिंह चौहान, श्री
119–यशवंत, श्री
120–रंगनाथ मिश्र, श्री
121–रंगबहादुर पटेल, श्री
122–रघुनाथ सिंह चौहान, श्री
123–रघुराज प्रताप सिंह "राजा भइया" कुंवर
124–रघुवर दयाल वर्मा, श्री
125–रणधीर सिंह, श्री
126–रमापति शास्त्री, श्री
127–रमेश पोखरियाल "निशंक", डा०
128–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो०
129–चौधरी रवीन्द्र प्रताप, श्री
130–रवीन्द्र शुक्ला, श्री
131–राकेश त्यागी, श्री
132–राकेश धर त्रिपाठी, श्री
133–राकेश सोनकर, श्री
134–राजधारी, श्री
135–राज राय सिंह, श्रीमती
136–राजा गजनफर अली खां, श्री
137–राजा राम पाण्डेय, श्री
138–राजीव कुमार सिंह, श्री
139–राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री
140–राजेन्द्र सिंह, श्री
141–राजेश अग्रवाल, श्री
142–राजेश कुमार सिंह, श्री
143–राधेश्याम, श्री

144–राधेश्याम गुप्त, श्री
145–राम आसरे पासवान, श्री
146–राम आसरे सिंह कुशवाहा, डा०
147–"पटेल" राम कुमार वर्मा, श्री
148–राम चन्द्र मौर्य, श्री
149–राम देव आचार्य, श्री
150–राम नरेश रावत, श्री
151–रामनाथ, श्री
152–रामपाल राजवंशी, श्री
153–राम प्रताप सिंह, श्री
154–राम बाबू हरित, श्री
155–राम लखन, श्री
156–राम सखी, श्रीमती
157–राम सिंह, डा० (अलीगढ़)
158–राम सिंह, श्री (बुलन्दशहर)
159–राम सेवक सिंह, श्री (बदायूं)
160–राम स्वरूप शर्मा, श्री
161–रूप चौधरी, श्री
162–लक्ष्मी कान्त बाजपेयी, डा०
163–लक्ष्मी नारायण चौधरी, श्री
164–लल्लू सिंह, श्री
165–लाखीराम जोशी, श्री
166–लालजी टण्डन, श्री
167–लाल सिंह वर्मा, श्री
168–बहोरन लाल मौर्य, श्री
169–विक्रमाजीत मौर्य, श्री
170–विद्या सागर गुप्ता, श्री
171–विनय कुमार पाण्डेय "विन्नू," श्री
172–विरेन्द्र सिंह, श्री (वाराणसी)
173–विरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री
174–विवेक कुमार सिंह, श्री
175–विशन सिंह चुफाल, श्री
176–विशम्भर सिंह, श्री
177–वेद प्रकाश सिंह, एम०एस०, डा०
178–शिव पूजन राम, श्री
179–शिव प्रताप शुक्ल, श्री
180–शिव बहादुर सक्सेना, श्री
181–शिव शंकर, श्री
182–शिव सिंह चक, श्री
183–शिवा कान्त, श्री
184–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री
185–शेर बहादुर, श्री
186–श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री
187–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री
188–श्री निवास मणि, श्री
189–श्रीराम, श्री (मऊ)
190–संग्राम सिंह, श्री
191–संदीप अग्रवाल, श्री
192–सतीश महाना, श्री
193–सतीश शर्मा, श्री
194–सत्य प्रकाश विकल, श्री
195–सन्त, श्री
196–संत राम सिंह, श्री
197–सरजीत सिंह डंग, डा०
198–सरदार सिंह, श्री
199–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री
200–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर
201–सीमा द्विवेदी, श्रीमती
202–सुखपाल पाण्डेय, श्री
203–सुखवीर सिंह पुण्डीर, श्री
204–सुमन लता सिंह, श्रीमती
205–सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री
206–सुरेश कुमार खन्ना, श्री
207–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री
208–सुरेश चन्द्र आर्य, श्री
209–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री
210–सुशील शाक्य, श्री
211–सुशीला अग्रवाल, श्रीमती
212–सूर्य प्रताप शाही, श्री
213–सूर्य भान, श्री
214–हरपाल सिंह, श्री
215–हरवंश कपूर, श्री
216–हरिनारायण, श्री
217–हरि शंकर तिवारी, श्री
218–हरि शंकर माहौर, श्री
219–हरीश चन्द्र "गंगवार", श्री
220–हरीश चन्द्र "हरीश जी"
221–हुकुम सिंह, श्री
222–होराम सिंह, श्री

प्रस्ताव के विपक्ष में-शून्य।

श्री अध्यक्ष-

मत विभाजन का परिणाम आ गया है। इस आदरणीय सदन के अध्यक्ष की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने मत का प्रयोग नहीं किया है। जो परिणाम प्राप्त हुआ है उसके अनुसार माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा इस सदन में प्रस्तुत विश्वास मत के पक्ष में 222 (दो सौ बाईस) मत पड़े हैं और विश्वास मत के विरोध में कोई भी मत नहीं पड़ा है।

(मेजों की थपथपाहट)

क्योंकि विश्वास प्रस्ताव जिसको माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रस्तुत किया है उसके पक्ष में 222 (दो सौ बाईस) मत और विरोध में शून्य मत हैं। इसलिये यह प्रस्ताव कि उत्तर प्रदेश की विधान सभा का "यह सदन मंत्रि-परिषद्" में विश्वास व्यक्त करता है "पारित" हुआ।

मैं इसे पारित घोषित करता हूं।

सदन को अनिश्चित काल तक के लिये स्थगन का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री (श्री कल्याण सिंह)-

श्रीमन्, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि इस सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के स्थगित कर दी जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि जो प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा इस सदन की कार्यवाही को अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित करने के लिये प्रस्तुत किया गया है, से यह सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ)

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे।
भारत-भाग्य-विधाता॥
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग।
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल-जलधि-तरंग॥
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे॥
गाहे तव जय गाथा॥
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता॥
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे॥

श्री अध्यक्ष–

अब हम अनिश्चित काल तक के लिए उठते हैं।

इसके बाद सदन 1 बजकर 45 मिनट पर अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित हुआ।

लखनऊ
दिनांक 21 अक्टूबर, 1997

केवल कृष्ण सक्सेना,
सचिव, विधान सभा।

संसद सदस्य

पी० एस० यू० पी० एस०–415 वि० सभा (826)–1998–816 (डी० टी० पी०)।